पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

बैठक कार्यवृत्त

विद्वत् परिषद की 8वीं (आठवीं) बैठक दिनांक 24.02.2021 अपराह्न 03:00 बजे
कुलपति सभागार, पतंजलि योगपीठ, फ़ेस-1

आज दिनांक 24 फरवरी 2021 को अपराह्न 03:00 बजे विद्वत् परिषद की बैठक ईश प्रार्थना के साथ प्रारम्भ हुई बैठक में माननीय कुलाधिपति योगर्षि परम पूज्य स्वामी जी महाराज का विशेष आशीर्वाद प्राप्त हुआ। बैठक हेतु प्रस्तुत कार्यसूची के अनुसार चर्चा, विचार-विमर्श एवं स्वीकृति प्रदान की गयी।

1- **पूर्व में आयोजित बैठक कार्यवाही की पुष्टि-** दिनांक 16 जून 2020 को आयोजित विद्वत् परिषद् की सातवीं बैठक का कार्यवृत्त पुष्टि हेतु उपस्थित समस्त सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसका परिषद् द्वारा अनुमोदन किया गया।

2- **सत्र 2021-22 के विवरणिका तैयार करने सम्बन्धित-** शैक्षिणिक सत्र 2021-22 में विश्वविद्यालय विवरणिका तैयार करने हेतु विवरणिका समिति (Prospectus Committee) के निम्नलिखित प्रारूप को विद्वत् परिषद द्वारा अनुमोदन सहित स्वीकृति प्रदान की गई।

1. डॉ. महावीर अग्रवाल, प्रति-कुलपति
2. डॉ. प्रवीण पुनिया, कुलसचिव
3. डॉ. वी. के. कटियार, संकायाध्यक्ष (शिक्षण एवं शोध)
4. डॉ. साध्वी देवप्रिया, संकायाध्यक्ष- मानविकी एवं प्राच्य विद्या अध्ययन एवं कुलानुशासिका
5. श्री वी.सी. पाण्डेय, IAS (Retd.), परीक्षा नियन्त्रक
6. स्वामी परमार्थदेव, सहा. प्रध्यापक संस्कृत विभाग एवं सहा. कुलानुशासक
7. डॉ. निधीश यादव, सहा. प्रधयापक योग विभाग
8. डॉ. अभिषेक भारद्वाज, सहा. प्राध्यापक, मनोविज्ञान विभाग
9. डॉ. सन्दीप कुमार सिंह, सहा. प्राध्यापक, योग विभाग

3- **सत्र 2021-22 में प्रवेश प्रक्रिया (परीक्षा/मेरिट/साक्षात्कार/शिविर) के सम्बन्ध में-** प्रबन्ध मण्डल की दिनांक 13 मार्च 2020 की बैठक द्वारा सत्र 2020-21 में प्रवेश हेतु प्रक्रिया को स्वीकृत किया गया था कि किन्तु कोरोना महामारी के कारण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा निर्देशित गाईडलाईन के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न हुई। आगामी सत्र 2021-22 हेतु प्रवेश की प्रक्रिया प्रबन्ध मण्डल द्वारा स्वीकृत गतिविधियों के अनुसार की जायेगी साथ ही विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के द्वारा जारी की जाने वाली गाईडलाईन/निर्देशों का पालन किया जाएगा जिसकी विद्वत् परिषद द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई।

Registrar
University of Patanjali
Haridwar

4- **नये सत्र 2021-22 से शुल्क में वृद्धि से सम्बन्धित-** आगामी शैक्षणिक सत्र 2021-22 से शिक्षण शुल्क आदि मदों में शुल्क वृद्धि विषय पर चर्चा हुई- जिसमें माननीय कुलाधिपति जी द्वारा निर्देशित किया गया कि सुविधा शुल्क (छात्रावास/भोजन) को पतंजलि आयुर्वेद महाविद्यालय के अनुसार किया जाए साथ ही शैक्षणिक शुल्क में भी वृद्धि वित्ताधिकारी, माननीय कुलपति व माननीय कुलाधिपति के निर्देशों के अनुसार निर्धारित करवायेंगे।

5- **विश्वविद्यालय के पॉवरप्वाईट प्रस्तुति के प्रारूप को अनुमोदित करवाना-** विश्वविद्यालय से सम्बन्धित गतिविधियों या सेमिनर/वेबिनार/कॉन्फ्रेंस/वर्कशॉप आदि में सभी अधिकारियों, संकाय सदस्यों व अन्य के द्वारा पॉवरप्वाईट प्रिजन्टेशन के प्रारूप को प्रस्तुतिकरण हेतु प्रारूप को विद्वत् परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया गया। परिषद् द्वारा प्रदान किए गये सुझावों के अनुरूप प्रारूप में आवश्यक परिवर्तन कर सर्व सम्मति से सहमति बनी। यह प्रारूप पतंजलि विश्वविद्यालय के सर्वाधिकार (copyright) के अर्न्तगत रहेगा जिसको विद्वत् परिषद के समस्त सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।

6- **स्व-मूल्यांकन प्रतिवेदन Self Assessment Report (SAR) के प्रारूप को अनुमोदित करवाना -** विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा स्व-मूल्यांकन रिर्पोट और समीक्षा हेतु एक प्रारूप को विद्वत् परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया गया। UGC के प्रारूप व NAAC की मूल्यांकन प्रक्रिया में यह कार्य अत्यावश्यक है। जिसके अर्न्तगत समस्त प्राध्यापकों द्वारा पूरे वर्ष में उपलब्धियों का सारांश, मूल्यांकन और आगे सुधार करने में उनकी सहायता के साथ संकायाध्यक्ष आदि अन्य अधिकारीगण के माध्यम से मा0 कुलपति महोदय को प्रस्तुत किया जाएगा। स्व-मूल्यांकन के तीनों प्रारूपों को विद्वत् परिषद द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।

7- **अध्यक्ष की अनुमति से अन्य कोई विषय/प्रकरण आदि पर चर्चा एवं निर्णय।**

i. **पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार के दूरदर्शिता (Vision) एवं लक्ष्य (Mission) पर चर्चा-** पूर्व में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की टीम की रिर्पोट में दी गई विश्वविद्यालय की दूरदर्शिता (Vision) एवं लक्ष्य (Mission) तथा व्यवस्थापक मण्डल के द्वारा एवं परम पूज्य स्वामी जी महाराज एवं श्रद्धेय आचार्य जी द्वारा अनुमोदित दूरदर्शिता (Vision) एवं लक्ष्य (Mission) को स्वीकृत किया गया।

ii. **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति के विश्वविद्यालय अवलोकन से सम्बन्धित-** विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा गठित छः सदस्यीय विशेषज्ञ समिति द्वारा पतंजलि विश्वविद्यालय का दिनांक 11 से 14 मार्च 2021 तक निरीक्षण किया जाना प्रस्तावित है। विशेषज्ञों हेतु आवागमन, आवास आदि व्यवस्थाओं का प्रबन्ध किया जा चुका है। दिनांक 11 से 14 मार्च 2021 तक विश्वविद्यालय में अवकाश न किया जाए। इसका विद्वत् परिषद के समस्त सदस्यों द्वारा अनुमोदन किया गया।

Registrar
University of Patanjali
Haridwar

iii. **नये सदस्यों के मनोनयन से सम्बन्धित-** पतंजलि विश्वविद्यालय विद्वत् परिषद में पूर्व से नामित सदस्य डॉ. विनोद बंसल, विश्वविद्यालय से चले जाने के कारण; प्रवीण पुनिया पूर्व में Expert के रूप में एवं डॉ. जी. डी. शर्मा जी विश्वविद्यालय व्यवस्थापक मण्डल के सदस्य होने के कारण तीन स्थान रिक्त हो गये हैं। इन माननीय सदस्यों के स्थान पर नये तीन सदस्यों का मनोनयन किया जाना है जो कि योग से सम्बन्धित, प्रशासनिक कार्य से सम्बन्धित अनुभव रखते हों। दो प्रोफेसर को भी एक वर्ष के लिए नामित किया जायेगा। इस हेतु माननीय अध्यक्ष जी की ओर से माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा आवश्वासन दिया गया कि इसकी प्रतिपूर्ति अतिशीघ्र ही की जाएगी।

iv. **विश्वविद्यालय के नये परिसर से सम्बन्धित-** पतंजलि विश्वविद्यालय के नव निर्मित परिसर में विधिवत कक्षाओं, आवासीय व्यवस्थाओं एवं कार्यालयी कार्य के संचालन हेतु आवश्यक आवश्यकताओं को पूर्ण कर यथाशीघ्र ही स्थानांतरित करने हेतु माननीय अध्यक्ष जी द्वारा निर्देश प्रदान किया गया।

v. **पतंजलि विश्वविद्यालय में 'योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक' पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने विषयक-** शैक्षणिक सत्र 2021-22 में पतंजलि विश्वविद्यालय में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने का प्रस्ताव माननीय अध्यक्ष जी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने हेतु सम्बन्धित मान्यता, स्वीकृति, (NOC) अनापत्ति प्रमाण-पत्र आदि प्रक्रिया के दायित्व का निर्वहन डॉ. निधीश यादव, सहायक प्राध्यापक, योग विभाग को माननीय कुलाधिपति द्वारा सौंपा गया।

vi. विद्वत परिषद् ने माननीय कुलपति जी द्वारा इतिहास विषय के Syllabus आदि को विश्वविद्यालय के हितार्थ पूर्व में लिये गये निर्णयों को स्वीकृत किया।

अन्त में उपस्थित समस्त सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया एवं पूर्णमदः पूर्णमिदं मन्त्रोच्चारण के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

(कुलसचिव) (प्रति-कुलपति)

(माननीय कुलपति)

Registrar
University of Patanjali
Haridwar

विश्वविद्यालय : एक दृष्टि में

पतंजलि विश्वविद्यालय का नाम प्राचीन भारतीय ऋषिप्रवर पतंजलि के नाम पर रखा गया है, जिन्होने लगभग 900 ईसा पूर्व योग पर सूत्र युक्त ग्रन्थ संकलित किया था। यह विश्वविद्यालय उत्तरांचल शासन विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग अधिनियम संख्या 717/विधायी एवं संसदीय कार्य/2006 देहरादून, 05 अप्रैल, 2006 द्वारा जारी की गई अधिसूचना के अन्तर्गत पतंजलि विश्वविद्यालय अधिनियम संख्या 04, वर्ष 2006 के अन्तर्गत स्थापित किया गया एवं भारत गणराज्य के 60 वें वर्ष में उत्तराखण्ड राज्य विधान सभा द्वारा संशोधन अधिनियम संख्या 12/XXXVI (3)/2010/ 17(1)/2009, देहरादून 06 जनवरी, 2010 द्वारा संशोधित किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने पतंजलि विश्वविद्यालय को धारा 22 के अन्तर्गत उपाधियां प्रदान करने हेतु अधिकृत किया है। पतंजलि विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा धारा 2(f) के अन्तर्गत स्थापित विश्वविद्यालय की सूचि में सम्मिलित किया गया हैं। पतंजलि विश्वविद्यालय पतंजलि योगपीठ न्यास द्वारा वित्त पोषित है एवं दिल्ली-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग, बहादराबाद के निकट स्थापित है यह विश्वविद्यालय भारतीय विश्वविद्यालय संघ का सदस्य है।

पतंजलि विश्वविद्यालय में केवल सूचना एकत्रित करने तथा मात्र आजीविका प्राप्त करने पर बल न देकर सामाजिक सौहार्द हेतु व्यक्तित्व विकास पर भी बल दिया जाता है।

University : at a Glance

The University of Patanjali (UOP) is named after the great Indian sage Patanjali (c.900BC.), who first compiled the numerous writings on Yoga in the form of aphorisms. It was established under University of Patanjali Act No. 04/2006, published in the State Gazette on 05.04.2006 & published vide Amendment Act 12/XXXVI (3)/2010/ 17(1)/2009, Dehradun, 06 January, 2010 of Uttarakhand State Legislative Assembly. The University is empowered to award degree as specified under section 22 of UGC Act. The name of University is in the list of Universities established as per section 2 (f) of UGC Act 1956.

The University is sponsored by Patanjali Yogpeeth Trust (PYP) and is located on Delhi Haridwar National Highway at Bahadrabad, Haridwar. The University is a member of the Association of Indian Universities.

Vision

To play a leading role in giving new and higher dimensions to the philosophy and practice of Yoga, Ayurveda and Indian culture within the country and across the globe; to endeavour that the knowledge contained in the above fields in Indian and other traditions, along with that of medicinal plants and herbs, be incorporated and accorded their rightful place in the higher education system; to prepare global citizens by bringing together the Vedic knowledge and the modern sciences, who would be equipped with diverse skills, in tune with international standards, and be inspired by sattvic (righteous & ethical) karma (conduct & practices) and spiritual intuition, and also who would, imbued with the spirit of karma yoga, make incessant all-out effort to achieve their goals and be endowed with a balanced, integral and scientific outlook.

Mission

- To bring about divine combination of Yoga and Ayurveda for use by the world in 21st century.
- To carry forward the knowledge of Yoga and Ayurveda to the door step of every town, village and to contribute to the creation of healthy, prosperous and spiritual person, society, nation and world.
- Achieving excellence in Vedic and modern knowledge, science and research in the field of Yoga, Ayurveda and other traditional medicinal systems and Indian culture.
- Empowering students to achieve their professional goals in the context of Vedic knowledge and Modern science.
- Diverse dimensions of education – distance education system, strengthening educational relations by providing self-employment, vocational and self-reliance based education.
- To bring harmonious functioning in heritage, culture and environment for improving quality of life.
- Learning the related highest human values.